

2568735

कुल पृष्ठ संख्या-32 (कवर पेज सहित)

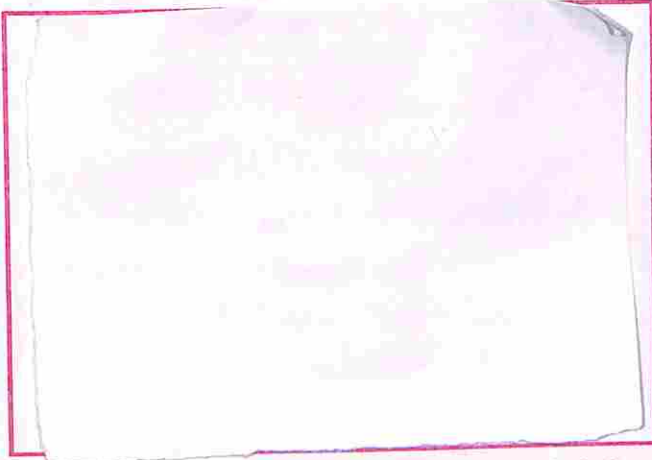
क्रम संख्या



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान
उच्च माध्यमिक परीक्षा



(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)



नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी ☒ अंग्रेजी ☐

विषय चित्तकला

परीक्षा का दिन मंगलवार

दिनांक 24-02-2026

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

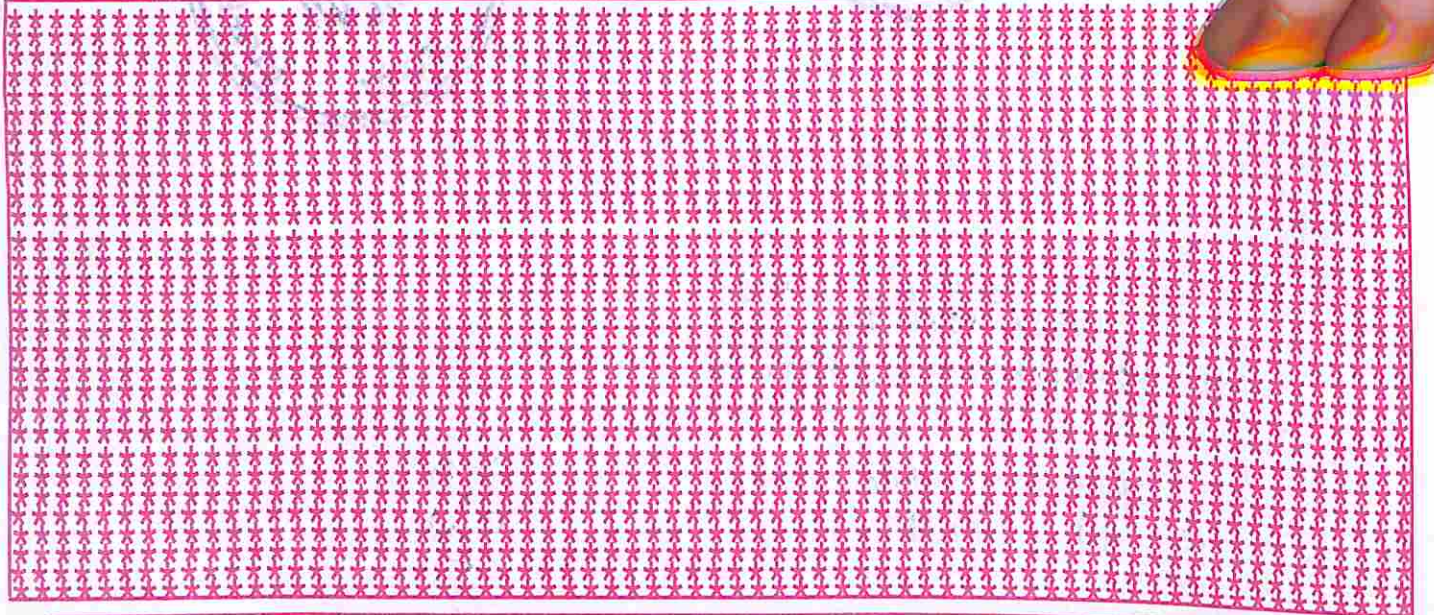
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	3/2	19	
2	2/2	20	
3	5	21	
4	3/4	22	
5	3/4	23	
6	3/4	24	
7	3/4	25	
8	3/4	26	
9	3/4	27	
10	3/4	28	
11	1/2	29	
12	1 1/2	30	
13	1 1/2	31	
14	2	योग	23 3/4
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17		24	चाकीर
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर संकेतांक 34022

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025



परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:-
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्तर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस-पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

4

खण्ड - अ

1
(i) (अ) जैन धर्म। ✓

(ii) (अ) मेवाड़ शैली। ✓

(iii) (अ) अजुल हसन और मनोहर। ✓

(iv) (स) बीजापुर (दक्कन)। ✓

(v) (अ) नन्दलाल कौस। ✓

(vi) (अ) रामकिशोर वैज। ✓

(vii) (स) शिविन्दनाथ मधुमकर। ✓

2

(i) "अविबन्धन वारहमासा" बूंदी शैली
का चित्र है। ✓

(ii) मोरद्वज निहालचन्द्र बनी - ठनी के चित्र
का है। ✓



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(iii) जामिनी रॉय के चित्र बंगाल की
कालीघाट शैली से प्रभावित हैं।

(iv) 'हल्दी गाइडर' अमरा शेरगिल का
चित्र है।

(v) 'वन स्त्री' मूर्तिबिलप मृणालिनी मुखर्जी द्वारा
निर्मित है।

BSER-180/2015

3

(i) "गोधरी का समय" जयपुर
में जब शाम की कृष्ण माया
को चराकर वापस लाते हैं
तो जब गाव के पेड़ों से धूल
उठती है उसे चित्रित किया
गया है।

(ii) 'मैडोना एंड चाइल्ड' चित्र मुगल
शैली का चित्र है।

(iii) 'दारा शिकोह की वारात' मुगल
शैली का चित्र है इसमें
दारा शिकोह की वैवाहिक
वारात को दर्शाया गया है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(iv) बीजापुर शैली का 'योगिनी' चित्र में एक स्त्री जो योग में विश्वास रखती है का चित्र है जो मैना पक्षी के साथ तीरारत है।

(v) "संयोजित घोड़ा" मुगल शैली का चित्र है। जिसमें पशु - पक्षियों, देवी - देवताओं की आकृतियाँ मिलकर एक अद्भुत घोड़ा बनाता है।

(vi) 'कृष्ण मक्खन चुराते हुए' चित्र में कृष्ण की अपने साथियों के साथ मक्खन चुराते हुए दिखाया गया है।

(vii) कांगड़ा चित्र शैली कंकन चित्रकला की सर्वाधिक काव्यात्मक और गीतात्मक शैली है।

(viii) अब्दुल रहमान चुगताई की कवि 'राधिका' में दीपक से दूर जाती हुई राधा को दिखाया गया है।

(ix) 'फेयरी टेल्स' फ्रीम पूर्वपल्ली में लोक गाना व ग्रामीण चित्र शैली को चित्रित किया गया है।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(X) "कुड" चित्रण कपड़े पर लम्बी
व क्षैतिज आकार वाली होती
होती है। इसे राजस्थान के
भोलवाड़ा के आस-पास के रहने
वाले लोगों में भोपा द्वारा गाया
जाता है।

खण्ड - व

4. कल्पसूत्र जैन धर्म का लघुचिह्न
पुचलित ग्रन्थ है। इसमें
तीर्थंकरों के जन्म से ४५
लेकर निवर्ण तक की विविध
घटनाओं को चित्रित किया गया
है जैन धर्म में महावीर
स्वामी का जन्म हुआ। तथा
कल्पसूत्र में पाँच घटनाओं का
वर्णन है - ① मगधियान, ② महा त्याग,
③ प्रथम उपदेश, शान प्राप्ति ④ जन्म
⑤ महानिर्वाण।

5 चित्रकला के एक बड़े पृष्ठ
को पाण्डुलिपि के नाम से जाना
जाता है। चित्रकला का इतिहास

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

पुनर्निर्माण एक अभूतपूर्व कार्य है। जिसमें
जैन परम्परा की शास्त्रवान परम्परा
से प्रेरणा मिली। इसमें पाण्डुलिपि
का सचित अर्थात् चित्र सहित
लिखाया गया है।

6 मुगलकाल में चित्र चित्राशालाओं के
चित्रकारों के सामूहिक उत्थास का
परिणाम है। मुगल चित्रकला में
चित्रकारों ने दार्शनिक, दार्शनिक का चित्रण
किया है तथा उनके साथ
ही विभिन्न मुर्तियों, वृक्षों, तीर्थों
दार्शनिक, दार्शनिक के पुष्पों, वृक्षों
का भी चित्रित किया है।

7. जहाँगीर छोटी अवस्था में ही बालक
बन गया। जहाँगीर एक कला
प्रेमी सम्राट था। उसने कश्मीर में
चित्रदीर्घाओं का निर्माण भी किया तथा
तथा कई चित्रकार नियुक्त किये।
उसके समय में अबुल हसन, विचित्र,
जसावन प्रमुख चित्रकार थे।
अतः जहाँगीर कला प्रेमी सम्राट था।

8 चित्र 'रागादिदोला' की रागिनी पथमासिका।
में आराम भवन में की सुन्दर

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

लितियाँ चित्रित की गई हैं तथा
एक स्तंभ स्त्री पास में बड़ी
है बीच में बैठी स्त्री भारतीय
वाद्य यन्त्र वीणा बजा रहा
है आराम भवन से बाहर एक
छोटा हाथी दशाया गया है तथा
चित्र में आभूषण चढ़ाई है। तथा
लितियों के वस्त्रों को सुन्दर चित्रित
किया गया है।

HSECT/180/2023

9

दक्कनी चित्रकला शैली की उपशैलियाँ

① अहमदनगर चित्रकला शैली - इसमें
विश्वकोश
'नुजुम - उल - उनुम' (1570) का चित्रण
है इसमें अस्त्रों व नक्षत्रों
का उत्तरीकरण है।

3
4
② बीजापुर चित्रकला शैली - बीजापुर
चित्रकला शैली
में 'पोली खेलते हुए चाँद' की
का चित्रण है। तथा यह दक्कनी
चित्रकला शैली है।

③ गोलकुंडा चित्रकला शैली - 1512 में



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

गोलकुण्डा राज्य स्वतन्त्र बना। यह
18 वीं शताब्दी तक सबसे धनाढ्यतम
राज्य था। इसमें 'संयोजित घोड़ा'
का चित्र भी बना है।

10 अमूर्त - बंगाल व कम्पनी शैली के कला
कारों का प्रमुख अमूर्त था।
इसमें भारतीय तथा यूरोपीय शैलियों
के समिश्रण से कृत्रिम बनाए जाते थे।
छायाकला, मूर्तिकला में अमूर्त भारतीय
कलाकारों को प्रसिद्ध था। के. सी.
एस्. पाणिकर अमूर्त में अग्रणी
था।

11 विनोद विहारी मुखर्जी भारतीय
संस्कृति से प्रभावित ऐसे कलाकार
थे। जिन्होंने अमूर्त
में विशेष भूमिका निभाई। और
भारतीय व यूरोपीय शैली से
प्रभावित चित्रों को बनाया। उन्होंने
अमूर्त पर आधारित चित्र भी
बनाए।

खण्ड - स

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

12

काँगड़ा शैली की विशेषताएँ -① काँगड़ा शैली के विषय -

काँगड़ा शैली के विषय आकृतिक दृश्य हैं। तथा रागमाला सिद्धारी संतसई, गीतगोविन्द भागवत पुराण नल नलमयूनी, वारहमोसा गीतगोविन्द, रसमंजरी तथा अन्य आकृतिक दृश्यों जैसे झरना, खेल, नदी, मानव आकृतियाँ घना जंगल आदि का चित्रण किया जाता था।

② रंग चित्रण - काँगड़ा शैली के चित्रों में हर रंग का चित्रण ठीकसा आदि रंगों का चित्रण किया जाता है। रंगों का चित्रण

③ भवन निर्माण - काँगड़ा शैली में भवन निर्माण में अत्यन्त समन्वयपूर्ण था।

④ प्रमुख चित्रकार - काँगड़ा शैली के प्रमुख चित्रकार जैसे फतु, परखु, फित



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

पुशालाल थे।

⑤ कांगड़ा जैली का विलार - कांगड़ा जैली
गैलर, चम्बा आ आदि क्षेत्रों में फैल
गई।

⑥ कांगड़ा जैली का प्रमुख केन्द्र कांगड़ा
प्रमुख केन्द्र तीरा सुजापुर था।

ESER-18/02/2025

13.

अथवा का उत्तर

नन्दलाल बोस - नन्दलाल बोस
संस्कृत से प्रभावित थे तथा भारतीय
संस्कृति का कड़ी थे। इनका
जन्म 1883 मुंगेर के हवेली
खड़गपुर में हुआ। इनने
कला क्षेत्र में प्रवेश करते ही
भारतीय कला पर आधारित चित्र
बनाए। तथा इन्होंने नवयुग
की कला के अभिगामी के
रूप में देखा। इन्होंने कला



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

की बगवा ही नहीं दिया
बालक कला के लम्बे
व सरल थे कि कला
चाहते थे कि कला
सिर्फ उच्च वर्ग तक
सीमित ना रहे बालक
सामान्य / आम जनता तक
पहुँचें। गांधीजी ने इसे
हरिपुरा के पड़ोस
पैन्स के निमाणे
लिए बुलाया। मिर्छी
का हलवाई नामक पित्त
नन्दलाल बोस के हरिपुरा
आधिवेशन के पड़ोस के
निमाणे में से एक है।
इसमें किसान की खेत
जोतने दिया गया है।
साधारण लोगों का उपयोग है तथा
चौड बूझ से रंग किया
गया है।

खण्ड - ६

14

राजस्थानी चित्रकला शैली
की विशेषताएँ

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

① राजस्थानी चित्रकला शैली में भारत के मध्य प्रदेश के क्षेत्रों को चित्रित किया गया है।

② इसमें राजस्थान की विभिन्न धार्मिक दृश्यों का चित्रण किया गया है।

③ इसमें राजस्थान के विभिन्न मैवाड बूंदी कौटा किशनगढ़, मालवा बीकानेर आदि का वर्णन किया है।

BSER-8802025

विभिन्न राजस्थानी शैलियाँ -

① मालवा चित्रकला शैली - 1600 से 1700 ई. मालवा शैली उत्पन्न हुई तथा विस्तारित हुई। यह किसी निश्चित क्षेत्र में उत्पन्न नहीं हुई पारंपरिक मध्य भारत के बड़े भू-भाग पर फैली।

② मैवाड चित्रकला शैली - मैवाड चित्रकला का उद्भव प्रारम्भिक दौर से माना जाता



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

है। मेवाड़ चित्रकला शैली 18
वीं शताब्दी में धर्मनिरपेक्ष
वृद्ध परिवारों द्वारा की
और स्थानान्तरित हो गई।

③ बुंदेली चित्रकला शैली - बुंदेली चित्रकला
पशुओं के शिकार का दृश्य
महत्वपूर्ण है। बुंदेली चित्रकला
शैली में परिवारों का जीवन
व शिकार के दृश्यों का
चित्रण किया गया है।

④ बीकानेर चित्रकला शैली - बीकानेर
चित्रकला
बैल का दृश्य उद्भव राव
बीमा है। इसमें जीवित कला रूपों
का चित्रांकन किया गया
है।

⑤ जयपुर चित्रकला शैली - जयपुर
चित्रकला शैली
का उद्भव इसकी पूर्व राज
धानी आमेर से माना
जाता है। इसमें परिवारों
दृश्यों का चित्रण किया गया है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

15भारतीय जीवन्त कला परम्परा

भारत के कई क्षेत्रों में आज भी कई बालक जीवन्त हैं -

- ① राजस्थान की फड़
- ② बिहार की मधुबनी
- ③ महाराष्ट्र की वरली
- ④ मध्य प्रदेश व सावरा की गोंड

① राजस्थान की फड़ -

लम्बी व क्षैतिज आकार वाली छेती पर कपड़े के धागे आस-पास के आसपास होती हैं। भोजपुरी के लोग उन वीर पुरुषों की मायाओं का चित्रण करते हैं जिन्होंने शत्रुओं की सुरक्षा की थी।

② बिहार की मधुबनी

मिथिला क्षेत्र में उत्पन्न यह



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

परम्परा मधुवनी के नाम से
जाना जाता है। इसका उद्भव
यायः राम सीता के
विवाह के समय से माने
हैं। वहाँ की महिलाएँ किसी
बैवाहिक अवसर पर
पर चित्र बनाती हैं।

⑤ महाराष्ट्र की वरली - महाराष्ट्र
के थाने क्षेत्र में वरली
चित्र बनाए जाते हैं वहाँ
चौक पर मातृदेवी चालाघाट
का चित्र बनाया जाता
है जो फसल की देवी
कुसारी का अतिनिधिल कवली
है तथा पंचसीय केवता
का चित्र बनाया गया है।
तथा ये चित्र चावल के
आटे से बनाए जाते हैं।

⑥ मध्य प्रदेश व सावरा की
गोंड चित्र -
के सावरा के मध्य प्रदेश
आस - पास



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

के चित्रों में चित्र बनाए जाते हैं।

(5) पिछोरी चित्र - पिछोरों की शब्दा
भील समुदाय के लोगों द्वारा
बनाया गया है। तथा इन
चित्रों में देवी देवताओं का
चित्रण किया जाता है।

अतः राजस्थान में वर्तमान में भी
जीवन्त कला परम्पराएं विद्यमान
हैं।

BSER-1802025

" समाप्त "



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
10/10	1	10/10
10/10	2	10/10
10/10	3	10/10
10/10	4	10/10
10/10	5	10/10
10/10	6	10/10
10/10	7	10/10
10/10	8	10/10
10/10	9	10/10
10/10	10	10/10
10/10	11	10/10
10/10	12	10/10
10/10	13	10/10
10/10	14	10/10
10/10	15	10/10
10/10	16	10/10
10/10	17	10/10
10/10	18	10/10
10/10	19	10/10
10/10	20	10/10
10/10	21	10/10
10/10	22	10/10
10/10	23	10/10
10/10	24	10/10
10/10	25	10/10
10/10	26	10/10
10/10	27	10/10
10/10	28	10/10
10/10	29	10/10
10/10	30	10/10
10/10	31	10/10
10/10	32	10/10
10/10	33	10/10
10/10	34	10/10
10/10	35	10/10
10/10	36	10/10
10/10	37	10/10
10/10	38	10/10
10/10	39	10/10
10/10	40	10/10
10/10	41	10/10
10/10	42	10/10
10/10	43	10/10
10/10	44	10/10
10/10	45	10/10
10/10	46	10/10
10/10	47	10/10
10/10	48	10/10
10/10	49	10/10
10/10	50	10/10
10/10	51	10/10
10/10	52	10/10
10/10	53	10/10
10/10	54	10/10
10/10	55	10/10
10/10	56	10/10
10/10	57	10/10
10/10	58	10/10
10/10	59	10/10
10/10	60	10/10
10/10	61	10/10
10/10	62	10/10
10/10	63	10/10
10/10	64	10/10
10/10	65	10/10
10/10	66	10/10
10/10	67	10/10
10/10	68	10/10
10/10	69	10/10
10/10	70	10/10
10/10	71	10/10
10/10	72	10/10
10/10	73	10/10
10/10	74	10/10
10/10	75	10/10
10/10	76	10/10
10/10	77	10/10
10/10	78	10/10
10/10	79	10/10
10/10	80	10/10
10/10	81	10/10
10/10	82	10/10
10/10	83	10/10
10/10	84	10/10
10/10	85	10/10
10/10	86	10/10
10/10	87	10/10
10/10	88	10/10
10/10	89	10/10
10/10	90	10/10
10/10	91	10/10
10/10	92	10/10
10/10	93	10/10
10/10	94	10/10
10/10	95	10/10
10/10	96	10/10
10/10	97	10/10
10/10	98	10/10
10/10	99	10/10
10/10	100	10/10



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSHR-180/2025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-1802025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-1502025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

ESHER-1802025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या
-------------------------------	------------------

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/03/05



परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

BSER-180/2025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025



परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

BSER-180/2025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/07/05



परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

BSER-180/2025



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

